लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या4317

20 अप्रैल, 2015 को उत्तौर के लिए

एनएमडीसी के साथ समझौता ज्ञापन

4317. श्री अर्जुन राम मेघवाल:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हाल में नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएमडीसी) तथा इस्पात मंत्रालय के बीच किसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है;

(ख) यदि हां, तो समझौता ज्ञापन के मुख्य उपबंधों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त समझौता ज्ञापन के पश्चात् एनएमडीसी को सुदृढ़ किए जाने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तघर

इस्पाीत और खान राज्यज मंत्री **श्री विष्णुश देव साय**

(क): जी, हॉ।

(ख) से (घ): लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा निर्देशों के अनुसार समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अन्तिम रूप दिया गया है जिसमें एनएमडीसी के सतत् विकास/ पूर्व वर्षों की तुलना में उसके कार्यों की स्थिरता पर जोर दिया गया है। एमओयू 2015-16 में परिकल्पित किए गए प्रमुख पैरामीटर नीचे दिए गए हैं:

i) लौह अयस्कय का उत्पासदन350 लाख टन
ii) लौह अयस्कय की बिक्री- 380 लाख टन
iii) बिक्री टर्नओवर – 13500 करोड़ रूपए
iv) सकल प्रचालन मार्जिन – 9450 करोड़ रूपए
v) पूंजीगत व्यचय- 3767 करोड़ रूपए

उपरोक्त के अतिरिक्त, एमओयू में कंपनी के विकास के लिए अन्य घटक भी शामिल किए गए हैं यथा आर एंड डी प्रयास, परियोजना क्रियान्वयन (आगामी परियोजनाओं के लक्ष्य), ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा, उत्पादकता सुधार, सुरक्षा प्रबंध और एच आर डी प्रयास इत्यादि।

*****